5E2TK1

पाठ–13

जंगल के राम कहानी

पाठ परिचय– छत्तीसगढ़ के कई जिला मन म कटाकट जंगल हे। एकर ले हमन ल शुद्ध हवा, पानी अउ जंगलिहा फर–फूल, जड़ी–बूटी, पाना–पतउवा मिलथे, जेकर ले हमन ल सुभित्ता होथे। इही बात ल कवि ह अपन कविता म बताय हे।

सुनव–सुनव गा भाई मन, जंगल के राम कहानी।
जंगल हमर सगा–संबंधी, जंगल हमर जिनगानी।।

जंगल म रिहिन पुरखा मन, जनम–करम जंगल म,
जंगल के फर–फूल ल खा के, बाढ़िन ओकर बल म।
जंगल कभू नइ माँगय कुछु, ओ हर अड़बड़ दानी।
सुनव–सुनव गा भाई मन, जंगल के राम कहानी।।

'जंगल म मंगल' कहिथें जेन सच हे सोला आना,
जंगल म कहाँ हे फैक्टरी, कहाँ उहाँ करखाना?
उहाँ कहाँ परदूसन–राक्षस? ओ नोहै रजधानी।
सुनव–सुनव गा भाई मन, जंगल के राम कहानी।।

राम–किसन ल जानेन हमन, इही जंगल के खातिर,
गौतम जी ल गियान मिलिस, जंगल म घर के बाहिर,
जंगल घर ए, तपोभूमि ए, करय सदा अगवानी।
सुनव–सुनव गा भाई मन, जंगल के राम कहानी।।

बादर कइसन बिन जंगल के बिन बादर का पानी?
बिन पानी का दुनिया–दारी, कइसन राजा–रानी?
जंगल के किरपा ले भाई, जीयँय सकल परानी।
सुनव–सुनव गा भाई मन, जंगल के राम कहानी।।

शिक्षण संकेत– छत्तीसगढ़ म कोन–कोन डहर जंगल हे तेकर बारे म लइका मन संग गुरुजी गोठ–बात करँय। जंगल ले का फायदा होथे, तेन ल बतावँय ए गीत ल सुग्घर ढंग ले गा के पहिली बतावँय फेर लइका मन ल गवावँय।

कठिन शब्द मन के हिन्दी मायने–

जिनगानी	–	जीवन, जिंदगी
पुरखा	–	पूर्वज
फैक्टरी	–	कारखाना
परदुसन	–	हवा, पानी, माटी के खराब हो जाना, प्रदूषण
अगवानी	–	स्वागत
तपोभूमि	–	तपस्या करने का स्थान

प्रश्न अउ अभ्यास

प्रश्न 1. ए कविता म काखर राम कहानी हे ?

प्रश्न 2. जंगल म कोन रहिन ?

प्रश्न 3. जंगल हमर का ए ?

प्रश्न 4. हमर पुरखा मन कहाँ रहत रहिन हे ?

प्रश्न 5. जंगल ले का–का मिलथे ?

प्रश्न 6. जंगल ल अड़बड़ दानी काबर कहे गे हे ?

प्रश्न 7. परदूसन ल राक्षस काबर कहे तो हे ?

प्रश्न 8. खाल्हे लिखाय कविता के अर्थ लिखव–

(क) जंगल म रहिन पुरखा मन, जनम–करम जंगल म
जंगल के फर–फूल ल खा के, बाढ़िन ओखर बल म,।।
जंगल कभू नई माँगय कुछ, ओ हर अड़बड़ दानी।
सुनव–सुनव गा भाई मन, जंगल के राम कहानी।।

(ख) बादर कइसन बिन जंगल के, बिन बादर का पानी ?
बिन पानी का दुनियादारी ? कइसन राजा–रानी ?
जंगल के किरपा ले भाई, जीयँय सकल परानी।
सुनव–सुनव गा भाई मन, जंगल के राम कहानी।

प्रश्न 9. कविता के छूटे भाग ल लिखव–

(क) "जंगल म मंगल" कहिथें.....
.....कहाँ उहाँ करखाना ।

(ख) .....इही जंगल के खातिर ,
गौतम जी ल गियान मिलिस , ...।

प्रश्न 10. (क) ए कविता म ले ओ वाक्य ल लिखव, जेमा परदूसन ल राक्षस बताय गे हे।

(ख) ओ वाक्य ल लिखव, जेमा फैक्टरी अउ कारखाना के गोठ हे।

भाषा–अध्ययन अउ व्याकरण

गुरुजी ह पाठ म दे खाल्हे लिखे शब्द ल बोलय, लइका मन ए शब्द ल सुन के लिखँय। लिखे के बाद म आपस म कापी ल अदला–बदली करके जाँच करँय।

पुरखा, फैक्टरी, परदूसन, राक्षस, गियान, तपोभूमि, किरपा, राम कहानी

प्रश्न 1. जंगल, मंगल, दंगल, समान ध्वनि वाले शब्द आय। अइसने समान ध्वनि वाले शब्द मन के चार जोड़ी बनावव।

पढ़व अउ समझव

जिनगानी–मउत, राक्षस–देवता

जिनगानी के उल्टा अर्थ वाले शब्द हे–'मउत'

राक्षस के उल्टा अर्थ वाले शब्द हे–'देवता'

प्रश्न 2.अइसने उल्टा अर्थ वाले शब्द के तीन जोड़ी खोजव अउ लिखव।

रचना

खाल्हे लिखाय विषय म चार वाक्य के कविता रचव।

जिहाँ जंगल, तिहाँ जिनगी हे,

.....

.....

.....

योग्यता विस्तार

कवि ह जंगल के महत्तम के बारे म लिखे हे। तुहूँ मन अइसने अपन गाँव अउ खेत–खार के बारे म कविता लिखव अउ कक्षा म सुनावव।

5JHH1W